अध्याय 3

योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए बजट

रा. रा. क्षे. दिल्ली सरकार दिल्ली को विश्व स्तरीय शहर में रूपांतरित करने और इसे समावेशी, न्यायसंगत और रहने योग्य वैश्विक शहर बनाकर अपने नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से काम कर रही है। सरकार ने सामान्य रूप से अपने नागरिकों और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, जरूरतमंद व्यक्तियों के सामाजिक–आर्थिक कल्याण के साथ उत्कृष्ट स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, नागरिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। दिल्ली के बजट का आकार 2014–15 के 36,766 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 में 75800 करोड़ रुपये हो गया है। योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के तहत बजट आवंटन में भी उत्कृष्ट वृद्धि देखी गई है, जो 2014–15 के 17,700 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 (ब.अ.) में 43,600 करोड़ रुपये हो गई है।

2. रा. रा. क्षे. दिल्ली सरकार के माननीय उप–मुख्य मंत्री ने बजट 2022–23 में रोजगार सृजन और दिल्ली के युवाओं को उद्यमशीलता के नए अवसर प्रदान करने और पहले से स्थापित उद्यमों और व्यवसाय को लाभ पहुंचाने के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की। रोजगार सृजन पर ध्यान देने के साथ शुरू की गई कुछ प्रमुख योजनाएं हैं:–दिल्ली के फूड हब का पुनर्विकास, दिल्ली बाजार प्लेटफॉर्म का शुभारंभ, दिल्ली के गांधी नगर गारमेंट हब, खुदरा बाजार का नवीनीकरण और प्रचार, दिल्ली फूड हब का पुनर्विकास, खाद्य ट्रक नीति, क्लाउड किचन क्लस्टर, नोन–कंफर्मिंग औद्योगिक क्षेत्रों का पुनर्निर्माण, दिल्ली शॉपिंग फेस्टिवल, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, दिल्ली फिल्म नीति "फिल्म–ए–दिल्ली" का कार्यान्वयन, और विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम, आदि।

3. दिल्ली में, आउटकम बजट का उपयोग कार्यनिष्पादन के उपकरण के रूप में किया जाता है जो बेहतर सेवा वितरण, निर्णय लेने में सुधार, सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रदर्शन का समय–समय पर मूल्यांकन करने और बेहतर योजना प्रबंधन के माध्यम से बजट लागत को प्रभावी बनाने में मदद करता है।

4. दिल्ली के आउटकम बजट 2022–23 में 23 प्रमुख विभाग शामिल किए गए और प्रत्येक विभाग के लिए, प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं की पहचान की गई और उनमें से प्रत्येक के सामने मुख्य आउटपुट और आउटकम संकेतक परिभाषित किए गए। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा गया था कि संकेतक स्मार्ट (विशिष्ट, मापने योग्य, श्रेय देने योग्य, यथार्थवादी और लक्षित) थे और विभागों के भीतर और पूरे समान कार्यक्रमों और योजनाओं में तुलनीय थे। आउटकम बजट 2022–23 में कुल मिलाकर 684 आउटपुट संकेतक और 470 आउटकम संकेतक विकसित किए गए।

5. दिल्ली सरकार आउटकम बजट की एक स्थिति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करती है जो 'ऑन ट्रैक' और 'ऑफ ट्रैक' श्रेणियों के तहत आउटकम बजट के महत्वपूर्ण संकेतकों की स्थिति को स्पष्ट करती है।

6. जहां तक योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के तहत धन के आवंटन और व्यय की स्थिति का संबंध है, यह अध्याय विभिन्न प्रकार के वर्गीकरण, जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, सामाजिक क्षेत्रों,

एजेंसी वार आदि में डेटा प्रदान करता है। 2016–17 तक के बजट/व्यय को योजना–गैर योजना के रूप में वर्गीकृत किया गया था और इस अध्याय के तहत केवल योजना भाग पर चर्चा की गई है। 2017–18 से योजनाओं और स्थापना व्यय के तहत वर्गीकरण किया गया है। इस अध्याय में 2017–18 के बाद के आंकड़ों के लिए केवल योजना व्यय पर चर्चा की गई है।

पंचवर्षीय योजनाएँ

7. विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का स्वीकृत योजना परिव्यय और व्यय विवरण 3.1 में प्रस्तुत किया गया है।

विवरण 3.1

दिल्ली का पंचवर्षीय योजनाओं का योजना परिव्यय और व्यय

(करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	योजनाएं	योजना परिव्यय (संशो.अनु.)	कुल खर्च	योजना परिव्यय के प्रतिशत के रूप में खर्च
1.	पहली पंचवर्षीय योजना 1951-1956	6.30	4.70	74.60
2.	दूसरी पंचवर्षीय योजना 1956-1961	17.00	15.37	90.41
3.	तीसरी पंचवर्षीय योजना 1961-1966	99.33	93.10	93.73
4.	चौथी पंचवर्षीय योजना 1969-1974	168.77	155.16	91.94
5.	पांचवीं पंचवर्षीय योजना 1974-1979	363.75	341.34	93.84
6.	छठी पंचवर्षीय योजना 1980-1985	1039.38	1041.95	100.25
7.	सातवीं पंचवर्षीय योजना 1985-1990	2537.34	2631.47	103.71
8.	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1992-1997	4500.00	6208.32	137.96
9.	नौवीं पंचवर्षीय योजना 1997-2002	15541.28	13465.09	86.64
10.	दसवीं पंचवर्षीय योजना 2002-2007	23000.00	22646.00	98.46
11.	ग्यारहवीं पंचवर्षीययोजना 2007-2012	54799.15	53478.86	97.95
12.	बारहवीं पंचवर्षीययोजना 2012-2017	90000.00	70497.04	78.33

**नोट : 2014–15 से योजना परिव्यय में सी.एस.एस. भी शामिल है।*

8. उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि पहली पंचवर्षीय योजना के तहत व्यय केवल 4.70 करोड़ रुपये था जो 12 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कई गुना बढ़कर 70497.04 करोड़ रुपये हो गया।

9. 2017–18 में, नीति आयोग, भारत सरकार ने 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के बाद पंचवर्षीय योजनाओं की प्रथा को समाप्त करने का निर्णय लिया। 2017–18 से, राजस्व और पूंजीगत शीर्ष के तहत वर्गीकृत स्थापना और योजनाओं के तहत बजट तैयार किए जाते हैं।

योजना/कार्यक्रम/परियोजना बजट आवंटन

10. 2017–18 से योजना/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के तहत बजट आवंटन और व्यय विवरण 3.2 में प्रस्तुत किया गया है ।

विवरण 3.2
दिल्ली का योजना/कार्यक्रम/परियोजना परिव्यय और व्यय

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	वर्ष	परिव्यय (ब.अ.)	परिव्यय (सं.अ.)	कुल व्यय	परिव्यय के प्रतिशत के रूप में व्यय (सं.अ.)
1.	2017-18	18500	16000	14387	89.9
2.	2018-19	22000	18200	15672	86.1
3.	2019-20	27000	22200	20307	91.5
4.	2020-21	29500	23100	19259	83.4
5.	2021-22	37800*	34600	30531	88.2
6.	2022-23	43600			

**2021–22 में योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, क्योंकि कुछ योजनाओं/कार्यक्रमों को "स्थापना बजट" (एफडी) से योजनाओं के बजट में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसमें परिवहन, ऊर्जा, नागरिक आपूर्ति, जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र संबंधी सब्सिडी और जीआईए शामिल हैं।*

11. योजना/कार्यक्रम/परियोजनाओं के तहत व्यय वर्ष 2019–20 के संशोधित अनुमान में 91.5 प्रतिशत था जबकि कोविड–19 महामारी के कारण वर्ष 2020–21 में घटकर 83.4 प्रतिशत रह गया और उसके बाद 2021–22 में थोड़ा बढ़ कर 88.2 प्रतिशत हो गया।

12. वर्ष 2017–18 से 2022–23 तक की योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के अंतर्गत राजस्व, पूंजीगत एवं ऋण के अंतर्गत बजट एवं व्यय का वर्षवार आवंटन विवरण 3.3 में प्रस्तुत किया गया है।

विवरण 3.3

दिल्ली का योजना/कार्यक्रम/परियोजना परिव्यय और व्यय
(राजस्व, पूंजी और ऋण के अंतर्गत)

(करोड़ रुपये में)

	2017-18		2018-19		2019-20		2020-21		2021-22		2022-23	
	राशि	%	राशि	%	राशि	%	राशि	%	राशि	%	राशि	%
राजस्व												
ब.अ.	9151	50	12809	58	13533	50	14363	49	23439	62	23863	55
स.अ	8825	55	9346	51	11557	52	12771	55	22826	66		
व्यय	7991	56	8320	53	10693	53	10442	54	20065	66		
पूंजी												
ब.अ.	7614	41	7586	34	11418	42	12183	41	12212	32	15877	36
स.अ	5472	34	6552	36	8076	36	7326	32	10272	30		
व्यय	4756	33	5051	32	7048	35	5828	30	9392	31		
ऋण												
ब.अ.	1735	9	1605	7	2050	8	2955	10	2149	6	3860	9
स.अ	1702	11	2302	13	2566	12	3003	13	1502	4		
व्यय	1641	11	2301	15	2566	13	2989	16	1073	3		
कुल												
ब.अ.	18500		22000		27000		29500		37800		43600	
स.अ	16000		18200		22200		23100		34600			
व्यय	14387		15672		20307		19259		30531			

13. राजस्व अनुभाग के तहत 2021–22 के दौरान बजट आवंटन 2017–18 में 50 प्रतिशत से बढ़कर 2021–22 में 62 प्रतिशत हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी और जीआईए को 'स्थापना बजट' से 'योजना बजट' में स्थानांतरित करना है।

14. योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए एजेंसी–वार व्यय विवरण 3.4 में प्रस्तुत किया गया है:

विवरण 3.4

योजना/कार्यक्रम/परियोजनाओं के लिए जारी एजेंसी–वार व्यय/राशि

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	विभाग/एजेंसी	2017-18 (व्यय)	2018-19 (व्यय)	2019-20 (व्यय)	2020-21 (व्यय)	2021-22 (व्यय)	2022-23 (ब.अ.)*
1.	जीएनसीटीडी के विभाग	10818.41	12310.99	15648.55	12989.32	26536.62	34279.39
2.	उत्तरी दिल्ली नगर निगम	780.98	219.32	1009.48	1024.80	790.96	1052.10
3.	दक्षिणी दिल्ली नगर निगम	535.98	117.12	595.92	555.00	507.56	663.90
4.	पूर्वी दिल्ली नगर निगम	423.31	299.17	661.57	537.60	470.90	654.30
5.	नई दिल्ली नगर पालिका परिषद	2.41	2.65	2.50	99.37	1.64	52.77
6.	दिल्ली जल बोर्ड	1730.00	2315.98	2210.00	3419.00	2164.27	6710.00
7.	डीयूएसआइबी	96.25	406.70	178.89	633.26	58.54	187.08
8.	दिल्ली छावनी परिषद	0.15	0.10	0.11	0.30	0.28	0.46
	कुल	**14387.47**	**15672.03**	**20307.02**	**19258.65**	**30530.77**	**43600.00**

** 2022–23 के लिए बजट अनुमान दर्शाए गए हैं।*

15. योजना/कार्यक्रम/परियोजनाओं के अंतर्गत प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र का क्षेत्रवार व्यय चार्ट 3.1 में प्रस्तुत किया गया है:

चार्ट 3.1

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का क्षेत्रवार व्यय

(करोड़ रुपये में)

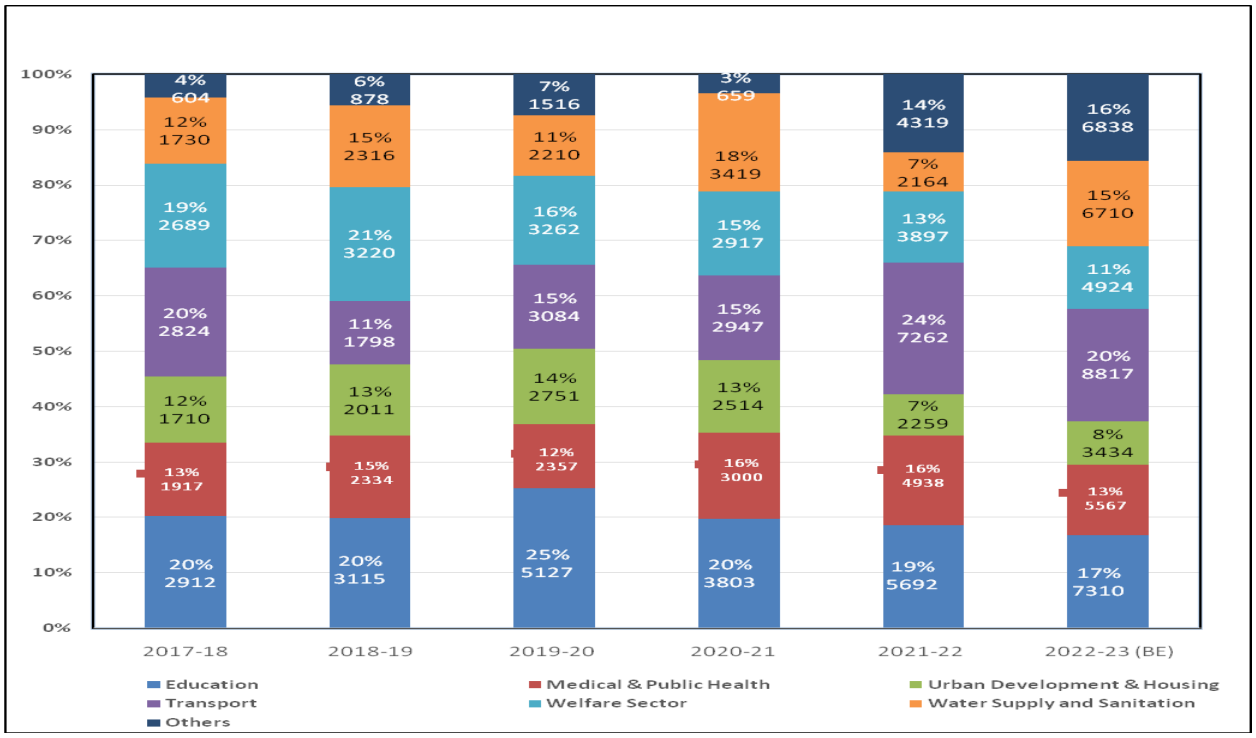

नोट : शिक्षा में सामान्य शिक्षा क्षेत्र (जिसमें उच्च शिक्षा भी शामिल है) तकनीकी शिक्षा क्षेत्र, कला और संस्कृति क्षेत्र, खेल और युवा सेवा क्षेत्र और मिड डे मील, डीटीटीई (श्रम और श्रम कल्याण क्षेत्र, एनसीसी (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली अभिलेखागार (पीडब्ल्यूडी) शामिल हैं).

16. उपरोक्त चार्ट से देखा जा सकता है कि 2017–18 से 2021–22 के दौरान प्रमुख व्यय शिक्षा, चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवहन और कल्याण क्षेत्रों पर किया गया है। 2022–23 के दौरान, सबसे अधिक बजट आवंटन परिवहन क्षेत्र के लिए है, यानी 8817 करोड़ रुपये (20 प्रतिशत) इसके बाद शिक्षा क्षेत्र 7310 करोड़ रुपये (17 प्रतिशत) है, फिर जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र में 6710 करोड़ रुपये (15 प्रतिशत) का बजट आवंटन है।

17. लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2017–18 से 2021–22 के दौरान क्रियान्वित की जा रही योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं का पूंजीगत व्यय एवं वर्ष 2022–23 का बजट आवंटन विवरण 3.5 में प्रस्तुत किया गया है।

विवरण 3.5

योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं का पूंजीगत व्यय एवं बजट आवंटन–(लोक निर्माण विभाग)

(करोड़ रुपये में)

क्र.स.	क्षेत्र का नाम	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22			2022-23
		व्यय	व्यय	व्यय	व्यय	ब.अ.	स.अ.	व्यय.	ब.अ.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2	चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य	265	209	253	422	934	1447	1255	2043
3	परिवहन	922	924	783	937	1978	1385	1237	1976
4	सामान्य शिक्षा	544	437	1168	807	1280	1321	1224	1132
5	लोक निर्माण	121	112	110	162	245	349	293	306
6	अन्य प्रशासनिक सेवाएं	12	13	34	12	110	37	20	167
7	समाज कल्याण	11	13	15	13	30	21	14	78
8	आवास	1	2	6	3	28	140	136	67
9	कारागार	27	19	208	43	35	47	38	58
10	श्रम एवं श्रमिक कल्याण	15	13	10	10	30	12	10	30
11	खेल एवं युवा सेवाएं	31	28	33	43	50	30	30	20
12	अन्य*	1	4	4	5	21	13	8	14
13	तकनीकी शिक्षा	15	16	9	6	21	9	6	12
कुल व्यय		**1964**	**1790**	**2633**	**2463**	**4762**	**4811**	**4271**	**5903**

** कृषि और संबद्ध सेवाएं, महिला एवं बाल विकास और अजा/अजजा/अपिव क्षेत्र के कल्याण सहित अन्य।*

नोटः योजना/कार्यक्रमों/परियोजनाओं का पूंजी आवंटन अनुदान की विस्तृत मांग (डीडीजी) के साथ मेल नहीं खा सकता है क्योंकि जीआईए पूंजी योजना/कार्यक्रमों/परियोजनाओं में पूंजी खंड के अंतर्गत आती है जबकि डीडीजी में, जीआईए पूंजी राजस्व अनुभाग के अंतर्गत आती है।

18. योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं–2022–23 के प्राथमिकता वाले क्षेत्र का बजट आवंटन चार्ट 3. 2 में प्रस्तुत किया गया है ।

चार्ट 3.2

योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के प्राथमिकता क्षेत्र का बजट आवंटन–2022–23

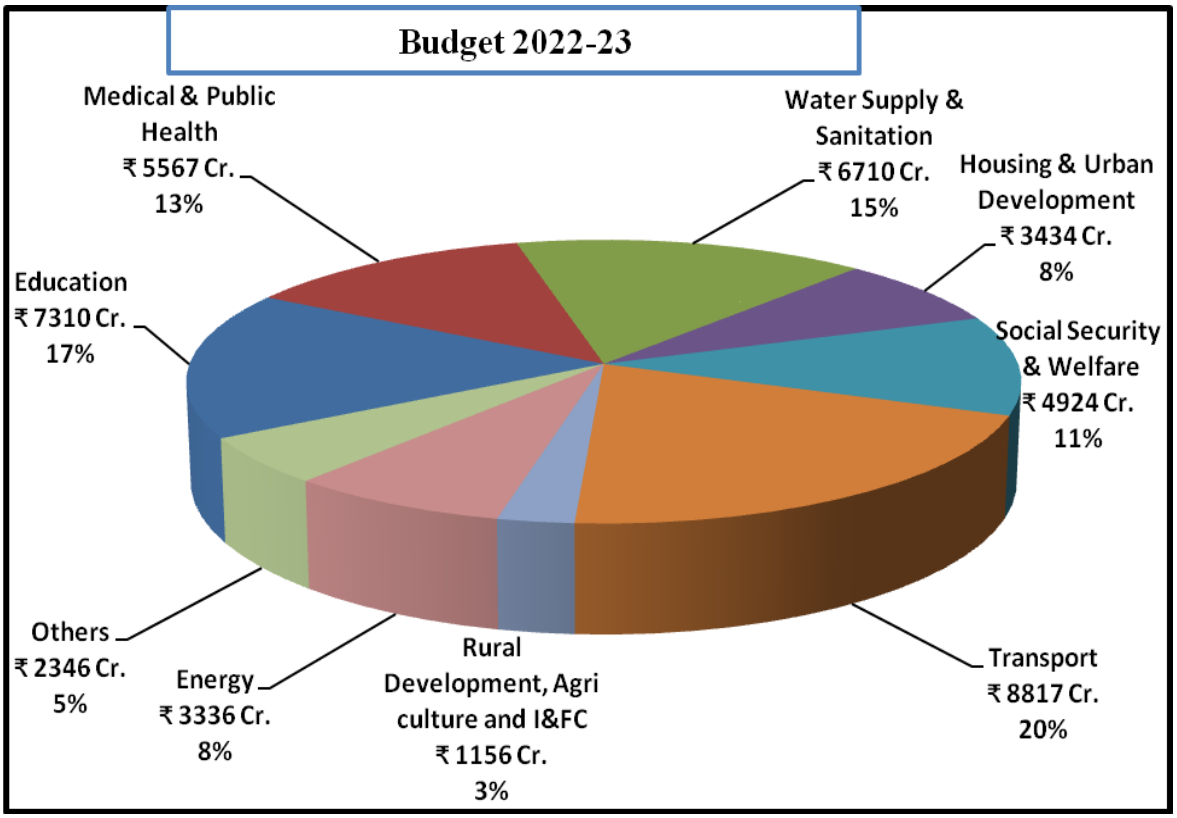

** इसमें सामान्य शिक्षा क्षेत्र (जिसमें उच्च शिक्षा भी शामिल है) तकनीकी शिक्षा क्षेत्र, कला और संस्कृति क्षेत्र, खेल और युवा सेवाएं क्षेत्र और मिड डे मील, डीटीटीई (श्रम और श्रम कल्याण क्षेत्र, एनसीसी (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली अभिलेखागार (पीडब्ल्यूडी) शामिल हैं।.*

 # इसमें म. एवं बा वि, अजा/अजजा/अपिव कल्याण, सामाज कल्याण, नागरिक आपूर्ति, पोषण (एमडीएम को छोड़कर), श्रम और श्रमिक कल्याण (डीटीटीई को छोड़कर), वजन और माप (पीडब्ल्यूडी), श्रम और रोजगार (पीडब्ल्यूडी) शामिल हैं।

19. चार्ट 3.2 से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि परिवहन क्षेत्र के लिए सबसे अधिक हिस्सा यानी 8817 करोड़ रुपये (20 प्रतिशत) आवंटित किया गया है, इसके बाद शिक्षा क्षेत्र के लिए 7310 करोड़ रुपये (17 प्रतिशत), जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र के लिए 6710 करोड़ रुपये (15 प्रतिशत), चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 5567 करोड़ रुपये (13 प्रतिशत), सामाजिक सुरक्षा और कल्याण क्षेत्र के लिए 4924 करोड़ रुपये (11 प्रतिशत) और आवास, शहरी विकास एवं ऊर्जा, प्रत्येक के लिए 8 प्रतिशत का आवंटन शामिल है।

20. बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के दौरान और 2017–18 और उसके बाद से सामाजिक सेवा क्षेत्र के योजना/कार्यक्रमों के लिए रा.रा.क्षे.दि.स. का परिव्यय एवं व्यय, चार्ट 3.3 में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें सामान्य शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, खेल और युवा सेवाएं, कला और संस्कृति, चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और स्वच्छता, आवास, शहरी विकास, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक कल्याण, श्रम और रोजगार, नागरिक आपूर्ति और पोषण क्षेत्र शामिल हैं।

चार्ट 3.3

बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के दौरान और 2017–18 से सामाजिक सेवा क्षेत्र के योजना/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए रा.रा.क्षे.दि.स. का परिव्यय एवं व्यय

(करोड़ रुपये में)

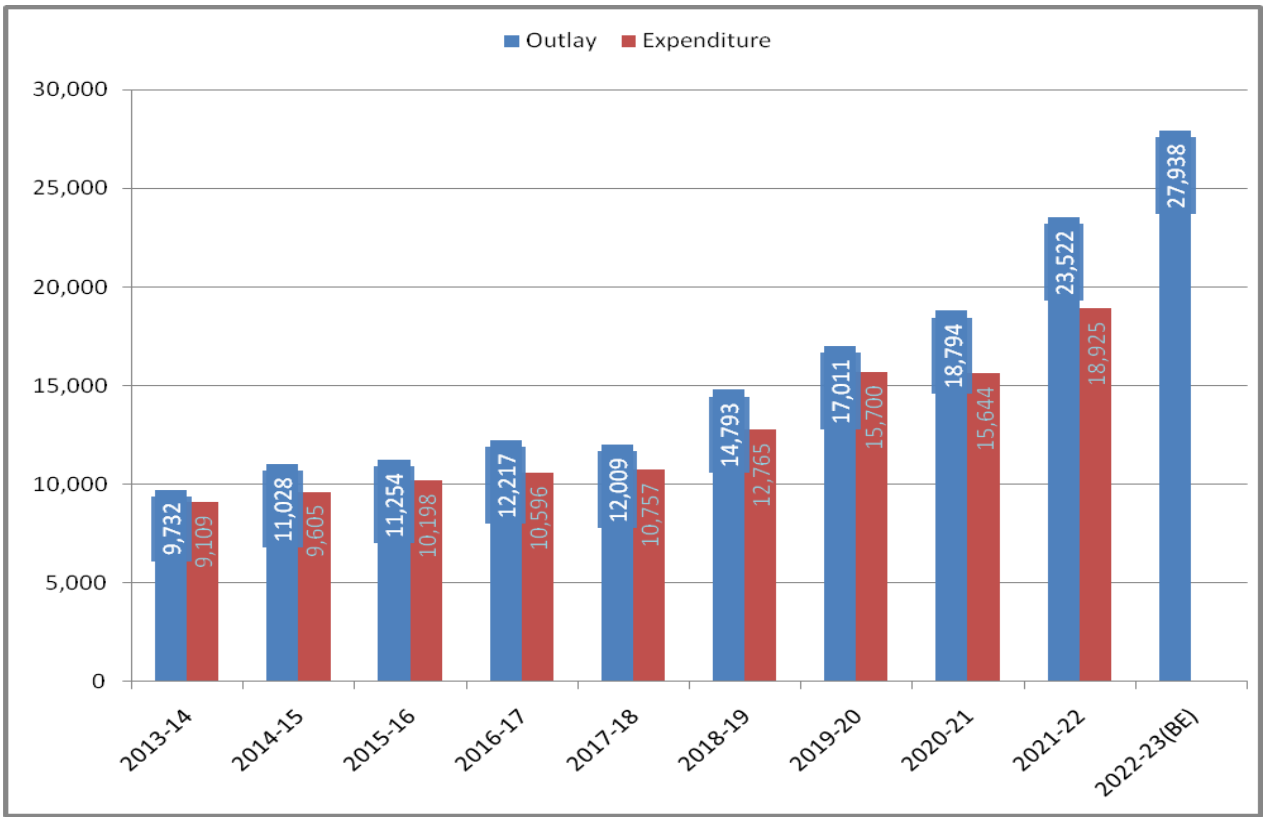

21. 10वीं, 11वीं, 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान दिल्ली में सामाजिक सेवा क्षेत्र का आवंटन, विवरण 3.6 में प्रस्तुत किया गया है।

विवरण 3.6

10वीं, 11वीं, 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान दिल्ली में सामाजिक सेवा क्षेत्र का आवंटन

(करोड़ रुपय में)

क्र. स.	पंच वर्षीय योजना	कुल योजना परिव्यय (सं.अ.)	सा.से.क्षेत्र के तहत योजना परिव्यय (सं.अ.)	कुल परिव्यय में सा.से.क्षेत्र की प्रतिशत हिस्सेदारी	कुल व्यय	सा.से.क्षेत्र के तहत व्यय	कुल व्यय में सा. से.क्षेत्र की प्रतिशत हिस्सेदारी
1.	10वीं (2002-2007)	24342.67	12353.24	50.74	22846.98	11050.42	48.36
2.	11वीं (2007-2012)	55900.00	32338.40	57.85	53478.86	30547.74	57.12
3.	12वीं (2012-2017)	78950.00	53410.89	67.65	70497.04	48038.52	68.14

22. सामाजिक सेवा क्षेत्र की योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं हेतु बजट आवंटन :

विवरण 3.7

सामाजिक सेवा क्षेत्र की योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं हेतु बजट आवंटन

(करोड़ रुपय में)

क्र. स.	वर्ष	कुल योजना परिव्यय (सं.अ.)	सा.से.क्षेत्र के तहत योजना परिव्यय (सं.अ.)	कुल परिव्यय में सा.से.क्षेत्र की प्रतिशत हिस्सेदारी	कुल व्यय	व्यय	कुल व्यय में सा.से.क्षेत्र की प्रतिशत हिस्सेदारी
1.	2017-18	16000	12009	75.1	14387	10757	74.8
2.	2018-19	18200	14793	81.3	15672	12765	81.5
3.	2019-20	22200	17011	76.6	20307	15700	77.3
4.	2020-21	23100	18794	81.4	19259	15644	81.2
5.	2021-22	34250	21730	63.45	30531	18925	61.99
6.	2022-23	43600 (BE)	27938 (BE)	64.08			

सामाजिक क्षेत्र के आवंटन में 2017–18 से 2021–22 के दौरान सं.अ. के संदर्भ में बढ़ोतरी (यानी 12009 करोड़ से 21730 करोड़ की वृद्धि) की प्रवृत्ति रही है। हालांकि, प्रतिशत के लिहाज से इसमें 2021–22 और 2022–23 में गिरावट आई है। इसका कारण योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए बजट के कुल आकार में वृद्धि है। यह वृद्धि इस लिए हुई क्योंकि 2021–22 में मुख्य रूप से गैर–सामाजिक क्षेत्र के कुछ मदों (यानी परिवहन और ऊर्जा आदि) के संबंध में जीआईए और सब्सिडी को स्थापना बजट (एफडी) से योजना बजट में स्थानांतरित करने के कारण योजना बजट संशोधित किया गया था।

23. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के योजना परिव्यय और व्यय से संबंधित अन्य सांख्यिकीय जानकारी तालिका 3.1, 3.2, 3.3, 3.4, 3.5, 3.6 और 3.7 में देखी जा सकती है।

24. दिल्ली सरकार ने हाल के वर्षों में दिल्ली के विकास में भारी निवेश किया है और सराहनीय आर्थिक प्रगति की है और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और नागरिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है और वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों के कल्याण पर विशेष ध्यान देते हुए सामान्य नागरिकों का कल्याण किया है।

अध्याय एक नज़र में

➢	दिल्ली के बजट का आकार 2014–15 के 36766 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 में 75800 करोड़ रुपये हो गया है।
➢	योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं के तहत बजट आवंटन में भी उत्कृष्ट वृद्धि देखी गई है, जो 2014–15 के 17700 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 (बजट अनुमान) में 43600 करोड़ रुपये हो गया।
➢	2022–23 के दौरान, सबसे अधिक बजट आवंटन यानी 8817 करोड़ रुपये (20 प्रतिशत) परिवहन क्षेत्र के लिए है, इसके बाद शिक्षा क्षेत्र 7310 करोड़ रुपये (17 प्रतिशत), जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र 6710 करोड़ रुपये (15 प्रतिशत), का स्थान है।